IJCRT.ORG ISSN : 2320-2882

INTERNATIONAL JOURNAL OF CREATIVE RESEARCH THOUGHTS (IJCRT)

An International Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

अनुदानित एवम गैर अनुदानित माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों की कार्य संतुष्टि का तुलनात्मक अध्ययन

डॉ रवींद्र नाथ सिंह

(शोध पर्यवेक्षक)

शाजिया अर्शी

शोध छात्रा-श्री वे०वि०वि० गजरौला

शिक्षक शिक्षा प्रणाली का मुख्य केंद्र होता है शिक्षक के ऊपर ही शिक्षा की सफलता का सारा दारोमदार है।लेकिन आज शिक्षक अपने कार्य(व्यवसाय)से सन्तुष्ट नही है।आधुनिक युग में समस्त मानवतावादी लक्ष्यों में कार्य संतुष्टि को सर्वोपरि लक्ष्य माना गया है,यदि शिक्षक अपने कार्य सम्पादन से सन्तुष्ट है तो निःसन्देह यह स्थिति सम्पूर्ण शिक्षण बयस्था के लिए वरदान सिद्ध ही सकती है।ठीक उसके विपरीत कार्य संतुष्टि का अभाव शिक्षण व्यवस्था के लिये अभिशाप सिद्ध होगा।इस दृष्टिकोण से आज के जटिल सामाजिक परिस्थितियों में माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों के कार्य संतुष्टि का अध्ययन करना आवश्यक है ताकि कार्य संतुष्टि के कारणों को जाना जा सके एवम उसमें सुधार लाया जा सके,माध्यमिक स्तर की शिक्षा चूंकि सम्पूर्ण शिक्षा व्यवस्था की दशा निर्देशक है,अतः इन स्तर के विद्यालयों की शिक्षकों की कार्य संतुष्टि ज्ञात करना अत्यधिक महत्वपुर्ण है।

अध्ययन का उद्देश्य:-

1. अनुदानित एवम गैर अनुदानित माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों की कार्य संतुष्टि केआ तुलनात्मक अध्ययन करना।
2. अनुदानित एवम गैर अनुदानित माध्यमिक विद्यालयों के पुरुष एवम महिला शिक्षकों की कार्य संतुष्टि का तुलनात्मक अध्ययन करना।
3. शहरी एवम ग्रामीण क्षेत्र के अनुदानित एवम गैर अनुदानित। माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों की कार्य संतुष्टि का तुलनात्मक अध्ययन करना।

परिकल्पना

1.अनुदानित एवम गैर अनुदानित माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों की कार्य संतुष्टि में सार्थक अंतर है।

2.अनुदानित एवम गैर अनुदानित माध्यमिक विद्यालयों के पुरुष एवम महिला शिक्षकों की कार्य संतुष्टि में सार्थक अंतर है।

3.शहरी एवम ग्रामीण क्षेत्र के अनुदानित एवम गैर अनुदानित माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों के कार्य संतुष्टि में सार्थक अंतर है।

विधि:-

प्रस्तुत अध्ययन में सर्वेक्षण विधि के आधार पर किया गया है—

न्यादर्श के रूप में प्रयागराज(इलाहाबाद) जनपद में आने वाले समस्त अनुदानित एवम गैर अनुदानित माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों को सम्मिलित किया गया है। प्रत्येक वर्ग की संख्या 300 ली गयी है।

उपकरण:-व्यसायिक संतुष्टि मापनी-डॉ मीरा दीक्षित

सांख्यकीय प्रविधि:शोध में प्राप्त प्रदत्तों से मध्यमान,मानक विचलन,तथा सार्थकता ज्ञात करने के लिए 'जेड'(z)का मान निकाला गया।

परिणाम:

सारणी संख्या-1

अनुदानित एवम गैर अनुदानित माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों की कार्य संतुष्टि की तुलना:

अनुदानित माध्यमिक विद्यालय 300 शिक्षक का मध्यमान168.75,प्रमाणिक विचलन-25.22 है।गैर अनुदानित माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों की संख्या-300,मध्यमान-158.11,प्रमाणिक विचलन-21.8,'जेड' का मान 5.54 है,सार्थकता स्तर0.05पर सार्थक है

सारणी संख्या-2

अनुदानित एवम गैर अनुदानित माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों के पुरुष/महिला शिक्षकों के कार्य संतुष्टि प्राप्तांक का मध्यमान,मानक विचलन,एवम ' जेड'का मान-

अनुदानित माध्यमिक विद्यालय के पुरुष शिक्षक संख्या 250 का मध्यमान 157.50,मानक विचलन-22.05 है,गैर अनुदानित माध्यमिक विद्यालय के पुरुष शिक्षकों की संख्या-250,मध्यमान-147.00,मानक विचलन-17.87 है, इनका' जेड' का मान5.86है 0.05स्तर पर सार्थक है।

अनुदानित माध्यमिक विद्यालयों के महिला शिक्षकों की संख्या-50 जिनका मध्यमान-178.25,मानक विचलन-24.95 है,गैर अनुदानित माध्यमिक विद्यालयों के महिला शिक्षकों की संख्या-50 जिनका मध्यमान-170.00,मानक विचलन-24.81है दोनों का जेड का मान 1.65 है सार्थकता स्तर 0.05 पर सार्थक है।

सारणी संख्या-3

शहरी एवम ग्रामीण अनुदानित एवम गैर अनुदानित माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों के कार्य संतुष्टि प्राप्तांको का मध्यमान,मानक विचलन, एवम 'जेड' का मान-

शहरी अनुदानित माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों की संख्या-204 जिनका मध्यमान 159.37, मानक विचलन-22.31 है। शहरी गैर अनुदानित माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों की संख्या-192 जिनका मध्यमान-154.85,मानक विचलन-20.33 है, दोनों का जेड का मान 2.14 है, सार्थकता स्तर0.05 पर सार्थक है।

ग्रामीण अनुदानित माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों की संख्या-96 जिनका मध्यमान-143.25,मात्रक विचलन-20.05 है। ग्रामीण गैर अनुदानित माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों

की संख्या-108 है जिनका मध्यमान-139.82,मानक विचलन-17.25 है दोनों का जेड का मान 1.63 है,सार्थकता स्तर0.05 **पर सार्थक** है।

निष्कर्ष:- प्रदत्तों के सांख्यकीय विश्लेषण और उनकी व्याख्या के आधार पर अध्ययन के निम्न निष्कर्ष हैं:-

1.माध्यमिक शिक्षकों की तुलना करने और अनुदानित माध्यमिक विद्यालय के शिक्षक और गैर अनुदानित माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों से अधिक कार्य संतुष्टि है।

2.अनुदानित माध्यमिक विद्यालयों के पुरुष शिक्षक गैर अनुदानित माध्यमिक विद्यालय के पुरुष शिक्षकों से अधिक सन्तुष्ट हैं,और इसी प्रकार आंकड़े से यह भी निष्कर्ष निकलता है कि अनुदानित माध्यमिक विद्यालय की शिक्षिकाएं गैर अनुदानित माध्यमिक विद्यालय के शिक्षिकाओं से अधिक सन्तुष्ट हैं।

3. शहरी क्षेत्र के अनुदानित माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षक गैर अनुदानित माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों से कार्य संतुष्टि में आंशिक रूप से अंतर रखते हैं।

शैक्षिक निहितार्थ:-

प्रस्तुत अध्ययन में अनुदानित एवम गैर अनुदानित माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों की कार्य सन्तुष्टि की तुलना किया गया -इसमें लिंग,व आवास को दृष्टि में रखकर तालिकाओं के अंतर्गत आंकड़े संगृहीत किये गए तथा चरों के अनुरूप व्याख्या विवेचन किया गया है-निष्कर्ष के उपरांत यह सामान्य विचार बना कि अनुदानित माध्यमिक विद्यालय के शिक्षक गैर अनुदानित माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों की तुलना में अधिक कार्य संतुष्टि रखते हैं। इससे यह सूचना प्राप्त हित है कि गैर अनुदानित माध्यमिक विद्यालय में भी सुविधा प्रदान करके तथा उनके शैक्षणिक स्तर को सुधार कर शिक्षकों आकर्षित किया जा सकता है। इससे शैक्षिक विषमता भी समाप्त होगी तथा सम्पूर्ण माध्यमिक शिक्षा में समरसता का संचरण होगा।

सन्दर्भ:-

अरोरा, आर.के.- टीचर्स एग्जाइटी ऐट डिफरेंट लेवलस ऑफ जॉब सैटिस्फैक्शन,इंडियन एजीकेशनल रीव्यू

आनंद,एसपी (1985)-सैटिस्फैक्शन एंड डिसटीफैक्शन इन द स्कूल टीचिंग प्रोफेशन,इंडियन रिव्यू

बेस्ट,जॉन डब्लू -रिसर्च इन एजुकेशन, मैग्रा हिल,लंदन,